माता नी पछेड़ी: कपड़े पर कला

- माता नी पछेड़ी गुजरात में वस्त्रों पर की जाने वाली चित्रकला की 200 साल पुरानी शैली है।
- इन्हें माता नी पछेड़ी इसलिए कहा जाता है क्योंकि कभी-कभी ये वस्त्र मंदिर के पीछे टांगे जाते हैं।
- हर माता का एक अलग वाहन या जानवर होता है जिस पर वह बैठी दिखाई देती हैं।
- चित्रकला बनाने में उपयोग किए जाने वाले रंग प्राकृतिक पदार्थों से बने होते हैं।